his question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

No. of Question Paper : 6096 **G**

iique Paper Code : 205401

ıme of the Paper : Adhunik Kavita-1

ıme of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

mester : IV

ıration : 3 Hours Maximum Marks : 75

त्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** काव्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (8+8=16)

(क) हे ईश! बहु उपकार तुमने सर्वदा हम पर किये,

उपहार प्रत्युपकार में क्या दें तुम्हें इसके लिये?

है क्या हमारा सृष्टि में? यह सब तुम्हीं से है बनी,

सतत ऋणी हैं हम तुम्हारे, तुम हमारे हो धनी!

(ख) चढ़ रही थी धूप;

गर्मियों के दिन

दिवा का तमतमाता रूप;

उठी झुलसाती हुई लू,
रुई ज्यों जलती हुई भू,
गर्द चिनगीं छा गयी,
प्रायः हुई दुपहरः-
वह तोड़ती पत्थर!

(ग) अपना खोया संसार न तुम पाओगी।
राधा माँ का अधिकार न तुम पाओगी।
छीनने स्वत्व उसका तो तुम आयी हो,
पर, कभी बात यह भी मन में लायी हो?
उसको सेवा, तुमको सुकीर्ति प्यारी है,
तुम ठकुरानी हो, वह केवल नारी है।

(घ) कोई नभ से आग उगलकर किये शान्ति का दान,
कोई माँज रहा हथकड़ियाँ छेड़ क्रान्ति की तान!
कोई अधिकारों के चरणों चढ़ा रहा ईमान,
'हरी घास शूली के पहले की'-तेरा गुण गान!
आशा मिटी, कामना टूटी, बिगूल बज पड़ी यार!
मैं हूँ एक सिपाही! पथ दे, खुला देख वह द्वार!!

निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो का रचना-कौशल (लगभग 150 शब्दों में) उद्घाटित कीजिए: (7+7=14)

(क) **निर्देश : स्वातंत्र्य भावना**

हिमाद्रि तुंग शृंग से
प्रबुद्ध शुद्ध भारती
स्वयम्प्रभा समुज्जवला
स्वतंत्रता पुकारती
'अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो
प्रशस्त पुण्य पंथ है,-बढ़े चलो, बढ़े चलो।'

(ख) **निर्देश : मित्रता**

लेकिन, यह होगा नहीं देवि! तुम जाओ
जैसे भी हो सुत का सौभाग्य मनाओ।
दे छोड़ भले ही कभी कृष्ण अर्जुन को
मैं नहीं छोड़ने वाला दुर्योधन को।

(ग) **निर्देश : यथार्थ बोध**

मरने में आदमी की कफ़न करते हैं तैयार
नहला धुला उठाते हैं, कांधे पे कर सवार
कलमा भी पढ़ते हैं, रोते हैं जार-जार
सब आदमी ही करते हैं मुर्दे का कारोबार

और वो जो मर गया है, सो है वो भी आदमी।

(घ) **निर्देश : राष्ट्रीय भावना**

वीरों का कैसा हो बसन्त?
आ रही हिमालय से पुकार,
है उदधि गरजता बार-बार
प्राची, पश्चिम, भू, नभ, अपार
सब पूछ रहे हैं दिग्-दिगन्त,
वीरों का कैसा हो बसन्त?

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (15 + 15 + 15=

(क) मैथिलीशरण गुप्त की काव्य भाषा का विश्लेषण कीजिए।

(ख) 'रश्मिरथी' के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) माखन लाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीय चेतना का मूल्यांकन की

(घ) जय शंकर प्रसाद के काव्य में प्रेम और सौन्दर्य-भावना का विश्ले कीजिए।

(ङ) सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य-सौष्ठव का मूल्यांकन कीजिए।

(च) 'तोड़ती पत्थर' कविता में कवि की सर्वहारा वर्ग के प्रति सहानुभूति पूँजीपति वर्ग के प्रति आक्रोश व्यक्त है, स्पष्ट कीजिए।